(2)

पत्रांक–17 / प्रशिक्षण–02 / 2012– 341(17)

बिहार सरकार

स्वास्थ्य विभाग

प्रेषक,

अमरजीत सिन्हा,
सरकार के प्रधान सचिव ।

सेवा में,

फैक्स संवाद

सभी प्राचार्य / अधीक्षक / विभागाध्यक्ष एवं
राज्य के चिकित्सा महाविद्यालयों में कार्यरत
सभी चिकित्सक शिक्षकगण।

पटना, दिनांक– 06 मार्च, 2012

विषयः–चिकित्सा महाविद्यालयों के प्रत्येक विभाग में उत्कृष्टता केन्द्र (Centre of Excellence) स्थापित कर प्रशिक्षण एवं शोध को आगे बढ़ाने के संबंध में ।

महाशय,

सबसे पहले राज्य सरकार की ओर से मैं आपके प्रति आभार व्यक्त करना चाहूँगा कि आप सबों के सहयोग से चिकित्सा महाविद्यालयों के संचालन में निरंतर सुधार हो रहा है । चिकित्सा महाविद्यालय उत्कृष्टता के केन्द्र (Centre of Excellence) होते हैं और उसी कारण से इसमें प्रशिक्षण एवं शोध के कार्यो को प्राथमिकता देना अत्यन्त आवश्यक होता है । राज्य सरकार सभी चिकित्सा महाविद्यालयों के सभी विभागों में उत्कृष्टता के केन्द्रों की स्थापना कर प्रशिक्षण एवं शोध कार्य को बढ़ावा देना चाहती है। इस कार्य में आपकी सक्रिय भागीदारी अपेक्षित है ।

बिहार राज्य के सभी 38 जिलों के आम जनता को गुणात्मक स्वास्थ्य सुविधा पहुँचाने के क्रम में चिकित्सा महाविद्यालयों का नेतृत्व तथा जिला, प्रखंड एवं अन्य स्तरों पर कार्य कर रहे चिकित्सकों एवं परिचारिकाओं के हुनर में निरंतर विकास के लिए चिकित्सा महाविद्यालयों की विशेष भूमिका है । पी0एम0सी0एच0 तथा एन0एम0सी0एच0 में बिहार राज्य स्वास्थ्य सेवा के एम0बी0बी0एस0 चिकित्सकों के लिए मूर्छक तथा स्त्री रोग के हुनर विकसित करने के लिए LSAS तथा EmOC कार्यक्रम संचालित हो रहे हैं । इसी प्रकार से अन्य विभागों में भी जिला, प्रखंड तथा अन्य स्तरों पर कार्यरत चिकित्सकों एवं परिचारिकाओं के हुनर विकास में चिकित्सा महाविद्यालयों की भूमिका महत्वपूर्ण है । इसके अतिरिक्त शोध एवं नवाचारी प्रयोगों को आगे बढ़ाने की आवश्यकता है तथा एम0बी0बी0एस0 की पढ़ाई कर रहे अथवा स्नातकोत्तर की पढ़ाई कर रहे छात्र–छात्राओं के सही हुनर का विकास किया जाना भी समय की माँग है।

इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु चिकित्सा महाविद्यालय के सभी विभागों में उत्कृष्टता केन्द्र की स्थापना के संबंध में विमर्श कर प्रस्ताव तैयार किया जाना अनिवार्य है। सभी विभागों के इच्छुक चिकित्सक शिक्षकों के Pro-active सहभागिता से ही उत्कृष्टता के केन्द्रों की स्थापना करते हुए, प्रशिक्षण एवं शोध कार्य को मूर्त रूप दिया जा सकता है। नये यंत्रों का प्रयोग, नियमित रूप से सेमिनार, कार्यशाला इत्यादि का आयोजन छात्र–छात्राओं द्वारा नवाचारी प्रशिक्षण एवं शोध तथा अन्य

(1)

उत्कृष्ट चिकित्सा महाविद्यालयों में जाकर हुनर प्रशिक्षण एवं शोध के कई अन्य कार्यो के लिए विभाग की कटिबद्धता है। आप में से जिन लोगो को उत्कृष्टता केन्द्र के प्रशिक्षण एवं शोध कार्यो से जुड़ना हो, कृपया अपने विभागाध्यक्ष के माध्यम से प्राचार्य/अधीक्षक को प्रस्ताव देंगे । प्रस्ताव में उत्कृष्टता केन्द्र के संबंध में जो आपकी सोच हो, उसका भी उल्लेख रहना अनिवार्य है।

मई, 2012 में सभी प्राचार्य/अधीक्षक एवं विभागाध्यक्षों की बैठक आयोजित की जायगी जिसमें उत्कृष्टता केन्द्रों को अंतिम स्वरूप दिया जायगा । पत्र में दर्शाये गये प्राथमिकताएं मात्र सुझाव के रूप में हैं और आप स्वतंत्र हैं कि उत्कृष्टता के केन्द्र के सोच को और विकसित स्वरूप में निरूपित कर प्रस्तुत करेंगे। तद्आलोक में अनुरोध है कि अपने प्रस्तावों को प्राचार्य/अधीक्षक के समक्ष शीघ्र प्रस्तुत करने का कष्ट करेंगे, ताकि मई, 2012 के प्रथम सप्ताह में होनेवाली कार्यशाला के पूर्व उत्कृष्टता केन्द्रों का एक स्वरूप स्पष्ट उभर कर सामने आ सके । इस कार्य में मुझे आप सबों के सहयोग की अपेक्षा है ।

विश्वासभाजन

(अमरजीत सिन्हा)
सरकार के प्रधान सचिव ।

02/03/2012